हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष समाचार डायरी

हमीरपुर: 03 मार्च, 2026

कौशल आधारित हस्तक्षेप की ग्रामीण आवीविका को मज़बूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका: डॉ. सुनील चौहान

हमीरपुर: हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II के अंतर्गत कौशल आधारित हस्तक्षेप ग्रामीण आवीविका को मज़बूत करने, उदयमिता को बढ़ावा देने तथा सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ये विचार हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना के परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने राजकीय आद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), रैल (नादौन, जिला हमीरपुर) में तीन माह के स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में रखे। सिलाई पर हुए इस स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में डॉ. चौहान 3 मार्च को मुख्य-अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ जायका कृषि परियोजना के वरिष्ठ सलाहकार श्री बलजीत सिंह संधु ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य अतिथि डॉ. सुनील चौहान ने सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र, सिलाई मशीनें एवं सिलाई किटें वितरित की।

हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II, जायका ओडीए, के सहयोग से राजकीय आद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), रैल (नादौन, जिला हमीरपुर) में संचालित तीन माह का स्वरोजगार सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उठाऊ सिंचाई उप-परियोजना-बसोल, खतरोड, जसोह एवं कन्वर्जेन्स स्कीम, कोहला से कुल 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं एवं महिलाओं की रोजगार योग्यता बढाना तथा स्वरोजगार के अवसर सृजित करना रहा।

प्रतिभागियों का स्वागत श्री जीत राम खण्ड परियोजना प्रबंधक हमीरपुर द्वारा किया गया। जिससे वे आय सृजन प्रतिविधियों प्रारंभ कर सके।

इस कार्यक्रम में डा. संतोष शर्मा जिला परियोजना प्रबंधक हमीरपुर, ई० कपिल ठाकुर प्राचार्य आईटीआई रेल, श्रीमती कांता देवी प्रशिक्षक (टेलरिंग), श्री विक्रम सिंह कृषि विशेषज्ञ, नेहा ठाकुर कृषि अधिकारी तथा प्रधान कृषक विकास एसोसिएशन कन्वर्जेन्स स्कीम, कोहला श्री गुलवंत सिंह भी उपस्थित रहे।